सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 304 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 12 दिसम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

महान कार्य और छोटे लोग साथ नहीं चल सकते।
-जवाहर लाल नेहरू

भारत की रनों के लिहाज से टी20 में... 7 | महाराष्ट्र में निकाय चुनाव पर सियासी... 3 | भाजपा की प्राथमिकताओं में नौकरी... 2

# बीजेपी में हू-तूतू, घेरे में गडकरी!

## पार्टी के भीतर अन्तर्कलह और गुटबाजी चरम पर

- एक बार फिर नितिन गडकरी चर्चा में
- कभी संसदीय क्षेत्र में जातिय दंगे तो कभी उनका नाम लेकर फैक्ट्री पर हमला
- नितिन गडकरी एक गैर मोदीवादी लोकप्रिय नेता हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राज्य सरकारें डगमगाती चाल में चल रही हैं। दिल्ली में राजनीतिक ट्रैफिक जाम लगा है। और ऐसे माहौल में फैक्ट्री पर किसानों की नाराज़गी यह अपने आप में बहुत कुछ कहती है।

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चलने की खबरें लगातार बाहर आ रही है। राज्यों में हालात पहले से खराब हैं और अब केन्द्रीय नेतृत्व में भी खटपट चल रही है। बड़े नेता एक दूसरे को फूंटी आंख नहीं सुहा रहे हैं। ताजा खबरें नितिन गडकरी को लेकर हैं जो उन्हें असहज कर रही है। गडकरी सार्वजनिक मंच से इस बार का एलान कर चुके हैं कि जो कुछ उनके खिलाफ हो रहा है वह उनकी छवि को धूमिल करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने तो यहां तक कहा कि सोशल मीडिया पर करोड़ों रूपये उनकी ब्रांड को बबार्द करने के लिए खर्च किये जा रहे हैं?

एक बार फिर नितिन गडकरी चर्चा में है। उनका नाम राजस्थान किसान आंदोलन के साथ ट्रेंड कर रहा है और आरोप है कि उनकी एथनाल फैक्ट्री को किसानों के कोप भजन का सामना करना पड़ा है। कुछ दिन पहले उनके संसदीय क्षेत्र में जातिय दंगे और अब राजस्थान में एथनाल प्लांट में किसानों का उग्र प्रदर्शन। यह सब मात्र किसानों का गुस्सा भर नहीं है। यह दृश्य कहीं न कहीं उस राजनीतिक ज्वालामुखी का धुआं है जो भाजपा के भीतर लंबे समय से पक रहा है। अब सवाल उठता है कि क्या यह गुस्सा सिर्फ एथनॉल का था या फिर यह बीजेपी की अंदरूनी राजनीति का भभका था जो किसान आंदोलन के धुएं में अपना रास्ता बनाकर बाहर निकल आया? राजनीति का पुराना उसूल कहता है कि भीड़ कभी बेवजह नहीं भड़कती बस वजह कभी बताई जाती है और कभी छुपाई जाती है। यहां मामला थोड़ा अलग है।

### लीक से हटकर चल रहे है नितिन गडकरी

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले दिनो एक बयान दिया था कि जो करेगा जात-पात की बात उसको पड़ेगी लात। बस यह एक लाइन थी जिसने भाजपा के भीतर बैठे जातीय समीकरण के दुकानदारों के कान खड़े कर दिए। ये वही लोग हैं जिनका पूरा राजनीतिक करियर जाति गणित के मेरठी रंगबाजी अंदाज पर टिका हुआ है। गडकरी की यह लाइन मानो उनके तंबू को आग लगा देने वाली थी। इतने सालों से भाजपा के भीतर एक अनकहा सच दबा था। नितिन गडकरी एक गैर मोदीवादी लोकप्रिय नेता हैं। उनकी अपनी पकड़ है, अपनी पहचान है और अपनी भाषा है। वो बातों को घुमा-फिराकर नहीं बल्कि सीधा बोलते हैं। और यही बात कई लोगों को चुभती है।

### चुनावी मौसम नजदीक है

राजस्थान में किसानों का उभार अचानक उस दिशा में क्यों गया यह महज संयोग नहीं लगता। चुनावी मौसम नजदीक है। राज्य सरकारें डगमगाती चाल में चल रही हैं। दिल्ली में राजनीतिक ट्रैफिक जाम लगा है। और ऐसे माहौल में फैक्ट्री पर किसानों की नाराजगी यह अपने आप में बहुत कुछ कहती है। भाजपा के भीतर अलग अलग पावर सेंटर हमेशा मौजूद रहे हैं। लेकिन इस बार मामला कुछ ज्यादा गाढ़ा है। गडकरी की बेबाक बातें पार्टी की पीआर मशीनरी के चिकने सेटअप में अक्सर फंस जाती है।

> “ क्या नितिन गडकरी भाजपा में अकेले पड़ रहे हैं? या कोई उन्हें राजनीतिक तौर पर घेरने की कोशिश में है?

### आदित्य ठाकरे की टिप्पणी के बाद बवाल

दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक ने राजनीतिक अटकलों का भी बाजार गर्म कर दिया है, क्योंकि यह शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के उस दावे के बाद हुई है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि महायुति गठबंधन के एक सहयोगी दल के 22 से ज्यादा विधायक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी हैं और पाला बदलने को तैयार हैं। वह परोक्ष रूप से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट का ज़िक्र कर रहे थे। ठाकरे ने कहा था, एक पार्टी है और राजकोषीय मोर्चे पर दो गुट हैं। एक गुट के 22 विधायक मुख्यमंत्री के करीब आ गए हैं। उनके पास अच्छा धन है और वे मुख्यमंत्री के इशारों पर नाचने लगे हैं। हालांकि, फडणवीस ने स्पष्ट किया कि भाजपा ऐसी राजनीति नहीं करती और भविष्य में गठबंधन और मज़बूत होगा। उन्होंने कहा कि शिंदे सेना हमारी सहयोगी और सच्ची शिवसेना है। हम ऐसी राजनीति नहीं करते। हम उनके साथ खड़े हैं और यह सुनिश्चित करेंगे कि वे मज़बूत हों। भविष्य में, हम निश्चित रूप से शिवसेना, भाजपा और महायुति को और मजबूत होते देखेंगे।

### भाजपा व शिवसेना में सहमति बनी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गत दिनो आगामी नगर निगम चुनावों पर चर्चा के लिए एक बंद कमरे में बैठक की। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन मुंबई और ठाणे सहित इन नगर निगम चुनावों में मिलकर चुनाव लड़ेगा। राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और वरिष्ठ शिवसेना नेता रवींद्र चव्हाण भी बैठक में शामिल हुए। शिवसेना ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि दोनों दलों के नेताओं ने महायुति के बैनर तले आगामी नगर निगम चुनाव मिलकर लड़ने पर रचनात्मक बातचीत की। अगले दो-तीन दिनों में, प्रत्येक नगर निगम के लिए सीट बंटवारे और अन्य विवरणों को अंतिम रूप देने के लिए स्थानीय स्तर पर चर्चा शुरू की जाएगी।

### क्या गडकरी को साइड-लाइन करने की एक नई कड़ी है?

क्योंकि पिछले लंबे समय से यह लगातार दिखाई दे रहा है कि नितिन गडकरी बार-बार विवादों बयानबाजी और अप्रत्याशित टकराव की सुर्खियों में आ रहे हैं। और उतनी ही बार भाजपा का असहज दिखाई देती है। राजस्थान की इस घटना ने एक नया नैरेटिव खड़ा कर दिया है। बीजेपी में अंदरूनी खटपट अब गली मोहल्ले से निकलकर बीच चौराहे पर आ पहुंची है। मामला अब सिर्फ बयानबाजी का नहीं अब यह आर्थिक ठिकानों तक पहुंच चुका है। और यही बात भारत की राजनीति में 440 वोल्ट का झटका झटका पैदा करती है। किसान आंदोलन के इस एपिसोड को चाहे कोई कितना भी छुपाने की कोशिश कर ले उसके पीछे चल रही हूतूतू राजनीति की आवाज अब दूर तक सुनाई देने लगी है। इस घटना का असली खतरा भाजपा के भीतर है जहां इस घटना ने एक असहज सवाल को और मजबूत कर दिया है कि क्या नितिन गडकरी भाजपा में अकेले पड़ रहे हैं? या कोई उन्हें राजनीतिक तौर पर घेरने की कोशिश में है? राजनीति की गंध वही पहचान सकता है जिसके पास समय की नब्ज़ सुनने का हुनर हो। और राजस्थान की इस आग में भाजपा की अंदरूनी राजनीति की वही पुरानी चिंगारी जलती हुई दिखाई दे रही है।

# भाजपा की प्राथमिकताओं में नौकरी और रोजगार जैसे मुद्दे नहीं : अखिलेश यादव

### » बोले-भाजपा सरकार युवाओं को धोखा दे रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव ने भाजपा पर करारा वार करते हुए कहा कि इस सरकार में युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है और सरकार उनकों धोखे में रख रही है। सपा प्रमुख ने कहा भर्तियों को टालने का काम इस सरकार में जोरों परजारी है। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की प्राथमिकताओं में नौकरी और रोजगार जैसे मुद्दे हैं ही नहीं। अखिलेश यादव ने प्रयागराज में प्रतियोगी छात्रों के प्रस्तावित आंदोलन को नैतिक समर्थन देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि हमारा समर्थन हमेशा प्रतियोगी छात्रों के साथ रहा है। यह राजनीति का नहीं, युवाओं के भविष्य का सवाल है ।सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। बड़ी संख्या में विभागों में पद खाली हैं, लेकिन सरकार भर्तियों को टालती जा रही है। उन्होंने कहा कि छात्र-नौजवान वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, पर नियुक्तियां न होने से वे निराश और हताश हो चुके हैं।

### ईराकी प्रतिनिधि से मिले सपा प्रमुख

लखनऊ में अखिलेश यादव से नजफ, ईराक के आध्यात्मिक नेता अयातुल्ला शेख मोहम्मद याकूबी के प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ में मुलाकात की। मौलाना जावेद आब्दी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधियों में अल्लामा सैयद अली अल यासरी, अल्लामा सैयद अली नकी जैदी, अल्लामा डॉ. सैयद कल्बे अब्बास रिजवी अल इज्तेहादी और अल्लामा शेख सालह शामिल थे। अखिलेश यादव ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना वाला देश है। उन्होंने कहा कि मेल-मिलाप और आपसी भरोसा ही दुनिया में भाईचारा व अमन-चैन ला सकता है। उन्होंने समाजवादी सरकार के कामों का जिक्र करते हुए महिलाओं को दी गई पेंशन, साइकिल ट्रैक, लैपटॉप वितरण, फ्री इलाज और 108 व 1090 सेवाओं को जनहित में महत्वपूर्ण बताया। प्रतिनिधिमंडल ने समाजवादी सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए अखिलेश यादव को ईराक यात्रा का निमंत्रण भी दिया।

### ईराक में भी लोग अखिलेश यादव को पसंद करते हैं : आध्यात्मिक नेता अयातुल्ला

प्रतिनिधियों ने मुलाकात को यादगार बताते हुए आध्यात्मिक नेता अयातुल्ला कहा कि भारत अखिलेश यादव के नेतृत्व में तरक्की कर सकता है और वे सबको साथ लेकर चलने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने बताया कि ईराक में भी लोग अखिलेश को पसंद करते हैं। ईराकी सांसदों के लिए भारत की संसद में अखिलेश के भाषणों का अरबी अनुवाद कराने की बात भी उन्होंने कही। प्रतिनिधियों ने यह भी बताया कि ईराक में पेट्रोल उत्पादन पर्याप्त है और दोनों देशों के बीच व्यापारिक व सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होने चाहिए।

### भाजपा सरकार केवल झूठे वादों का सहारा ले रही है

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार केवल झूठे वादों का सहारा ले रही है और नौकरी-रोजगार पर बात करने से बचती है। आरोप लगाया कि भाजपा समाज को बांटने, विवाद खड़े करने और जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने में लगी रहती है।

## कुशल विकास का नाम देकर आदिवासियों को अधिकारों से वंचित किया जा रहा : जीतू पटवारी

### » कोयले के लिए उजाड़ा जा रहा जंगल, अब कांग्रेस उतरी विरोध में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिंगरौली। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में कोयला खनन के लिए बड़े पैमाने पर जंगलों की कटाई का दौर शुरू हुआ है। यहां धिरौली कोल ब्लॉक के लिए करीब छह लाख पेड़ों की कटाई पुलिस की पहरेदारी में हो रही है। इसका विरोध स्थानीय ग्रामीण आदिवासी और विपक्ष दल कर रहे हैं, लेकिन पेड़ कटाई का क्रम रुक नहीं रहा है। हालांकि कांग्रेस कथित तौर पर बड़े पैमाने पर जारी पेड़ों की कटाई, जमीन अधिग्रहण, प्रदूषण और आदिवासी विस्थापन के मुद्दों पर लगातार प्रदर्शन कर रही है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि क्षेत्र को 'कुशल विकास' का नाम देकर आदिवासियों को अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि उन्हें पीड़ितों से मिलने एवं तथ्य जानने तक की अनुमति नहीं दी गई, जो लोकतांत्रिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। पटवारी के साथ नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह सहित अन्य नेता भी इस समिति में शामिल थे। पुलिस की ओर से रोके जाने के बावजूद कांग्रेस नेताओं ने सिंगरौली एवं देवसर क्षेत्र के प्रभावित गांवों का दौरा किया और वहां जारी पर्यावरण संकट, जमीन छीने जाने की शिकायतें, कोयला खदानों से उपजे गंभीर प्रदूषण तथा आदिवासी परिवारों के विस्थापन की स्थिति का प्रत्यक्ष अध्ययन किया। कांग्रेस ने दावा किया कि ग्रामीणों से कागजों पर सहमति का दावा किया जाता है, जबकि असल में उन्हें धमकाकर हस्ताक्षर करवाए जा रहे हैं। कांग्रेस की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में पटवारी ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम और पूरा जंगल अदाणी के नाम। यही 'डबल इंजन' सरकार की असल नीति है।' उन्होंने आरोप लगाया कि लगभग 4,000 हेक्टेयर में प्लांट स्थापित करने के नाम पर 10 लाख से अधिक वृक्ष काटे जा रहे हैं।

### विधानसभा में कांग्रेस ने उठाया था पेड़ कटाई का मुद्दा

कांग्रेस ने पिछले दिनों इस मुद्दे को विधानसभा में उठाते हुए यह आरोप भी लगाया था कि अदाणी समूह को फायदा पहुंचाने के लिए जिले के आठ गांवों को अधिसूचित क्षेत्र से बाहर तक कर दिया गया है। इसके बाद कांग्रेस ने एक तथ्य अन्वेषण समिति का गठन किया था, जो बुधवार को सिंगरौली पहुंचा, लेकिन प्रशासन ने इसमें शामिल नेताओं को जंगल के अंदर जाने से पहले ही रोक दिया।

### कलेक्टर का दावा- कांग्रेस प्रस्तुत कर रही भ्रामक जानकारी

मामले पर सिंगरौली जिला कलेक्टर गौरव बैनल ने बताया कि कांग्रेस की ओर से इस मामले में 'भ्रामक' जानकारी प्रस्तुत की जा रही है, जबकि इस परियोजना के लिए आवश्यक सभी प्रक्रियाएं पूरी की गई हैं और अनुमति विधिवत तरीके से हासिल की गई हैं।

## भाजपा ने लूथरा बंधुओं के भारत से भागने में मदद की : संजय सिंह

### » आप की मांग- भारत से भागने की गहन जांच हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने लूथरा बंधुओं के भारत से भागने की गहन जांच की मांग की। उन्होंने भाजपा अधिकारियों की संलिप्तता का आरोप लगाते हुए अधिकारियों की आलोचना की कि कथित लापरवाही के बावजूद, जिसके कारण 25 लोगों की दुखद मौत हुई, उन्हें भागने से नहीं रोका गया। सिंह ने कहा कि वे यूं ही भारत से भाग नहीं गए, इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि उन्हें भगाने में किन लोगों का हाथ था।

भाजपा सरकार के समर्थन के बिना वे गोवा से नहीं भाग सकते थे। संजय सिंह ने कहा कि इंडिगो की उड़ानें लोगों के लिए उपलब्ध नहीं हैं, देश की जनता परेशान है, और उन व्यक्तियों की लापरवाही के कारण 25 लोगों की जान चली गई - फिर भी वे इंडिगो का इस्तेमाल करके भारत से भाग गए, और सरकार कुछ नहीं कर सकी? यह अच्छा है कि वे पकड़े गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द वापस लाएं और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। 6 दिसंबर की देर रात बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब में भीषण आग



लगने से 25 लोगों की जान चली गई, जिनमें पांच पर्यटक और 20 कर्मचारी शामिल थे। यह दुखद घटना गोवा पुलिस ने अब्रारा स्थित बर्च के मालिकों को निर्वासित करने के लिए अपने मामले को और मजबूत किया। लूथरा बंधुओं, गौरव और सौरभ को फिलहाल थाईलैंड के फुकेत स्थित एक आव्रजन केंद्र में हिरासत में रखा गया है। वे भीषण आग लगने के अगले दिन सुबह ही थाईलैंड के इस रिसॉर्ट शहर में भाग गए थे। दिसंबर में जारी किए गए ब्लू कॉर्नर नोटिस के आधार पर उनकी हिरासत सुनिश्चित की गई। गोवा पुलिस के अनुसार, 7 दिसंबर को पुलिस स्टेशन अरपोरा अंजुना, उत्तरी गोवा में एफआईआर संख्या 154/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 105, 125, 125(ए), 125(बी), 287 और धारा 3(5) के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया था।

## 2027 के चुनाव में फिर करेंगे वापसी : सीएम सुक्खू

### » मुख्यमंत्री ने भाजपा को दी बड़ी लड़ाई की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मंडी। छोटी काशी मंडी में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के तीन साल पूरे होने पर बड़ी रैली कर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने विरोधियों को बड़ी लड़ाई की चुनौती दे डाली। विधानसभा में विपक्ष के पास सबसे ज्यादा 10 में से नौ सीटें इसी जिला से हैं, जो पूरे भाजपा विधायक दल का लगभग एक तिहाई हिस्सा है। मंडी नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का भी गृह जिला है।

सुक्खू ने युद्ध की शुरुआत का एलान करते हुए हुए पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को ही निशाने पर लिया। भाजपा का किला माने जाने वाले मंडी में इस जिला से कांग्रेस के समर्थन में



हजारों की संख्या में और प्रदेशभर से बड़ी तादाद में लोगों को लाकर कांग्रेस सरकार ने विपक्षी दल को 2027 के चुनाव के लिए ललकारा है। संसद में वंदे मातरम पर बड़ी बहस छिड़ने के बाद कांग्रेस की इस महत्वपूर्ण रैली की शुरुआत भी वंदे मातरम से हुई। सुक्खू ने वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए। उन्होंने यहां तक कहा कि कांग्रेस के दो प्रधानमंत्रियों ने देश के लिए बलिदान दिया। किसी दूसरी पार्टी में ऐसा उदाहरण नहीं है। इस तरह से सुक्खू ने इस रैली से भाजपा को निशाने पर लिया। सीएम नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर हमलावर रहे। कांग्रेस ने इस रैली के लिए आपदाग्रस्त मंडी जिला को इसलिए चुना, क्योंकि कांग्रेस के पास भाजपा के खिलाफ सबसे बड़ा मुद्दा केंद्र से आपदा के लिए वांछित मदद नहीं मिलना है। अपने साधनों से आपदा पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगने और केंद्र की अनदेखी के हथियार से भाजपा पर प्रहार किया। भाजपा बार-बार कहती रही है कि सरकार आपदा के बीच जश्न मना रही है। इसलिए न तो नाटी डली और न ही अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। केवल नेताओं के स्वागत के लिए परंपरा के अनुसार ढोल-नगाड़े बजे। मुख्यमंत्री ने मंच से भी दोहराया कि जश्न के बजाय यह जन संकल्प सम्मेलन है।

# महाराष्ट्र में निकाय चुनाव पर सियासी दांव आरंभ

## महाविकास अघाड़ि भी तैयारी में जुटा

## महायुति में सीट बंटवारे को दिया जा रहा अंतिम रूप

- भाजपा 35-140, शिवसेना 90-100 सीटों पर लड़ सकती है चुनाव
- शिंदे का बीएमसी पर कब्जे का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिंदे को मनाने के बाद अब महायुति निकाय चुनावों की तैयारी में जुट गई है। मुंबई में होने वाले आगामी चुनावों से पहले महायुति गठबंधन के भीतर राजनीतिक चर्चाएं और भी तेज हो गई हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 90 से 100 सीटों की मांग की है। पार्टी का तर्क है कि शहर के कई वार्डों में उसका मजबूत संगठनात्मक आधार और व्यापक जनसमर्थन नेटवर्क आज भी कायम है।

वहीं विपक्षी धड़ा महाविकास अघाड़ि अपनी तैयारी में तेजी जा रहा है। शिवसेना यूबीटी, कांग्रेस एसपी शरदपवार गुट सभी आपसी बातचीत से हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं। इसी के साथ चुनावों के प्रचार पर भी रणनीति बनने लगी है। अगले साल होने वाले मुंबई नगर निगम चुनावों से पहले सत्ताधारी महायुति गठबंधन के सहयोगी दलों - भाजपा और शिवसेना के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, मुंबई में होने वाले आगामी चुनावों से पहले महायुति गठबंधन के भीतर राजनीतिक चर्चाएं और भी तेज हो गई हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 90 से 100 सीटों की मांग की है। पार्टी का तर्क है कि शहर के कई वार्डों में उसका मजबूत संगठनात्मक आधार और व्यापक जनसमर्थन नेटवर्क आज भी कायम है। म्युनिसिपल चुनाव के लिए उम्मीदवारों का नया पैटर्न और रणनीति ला सकती है। नगर निगम चुनाव के कई इलाकों में यह बात सामने आई थी कि भाजपा के एमएलए एपी और बाहर के इंचार्ज ने उम्मीदवारों के नामांकन से लेकर रणनीति तय करने तक में मनमानी की। सूत्रों के मुताबिक म्युनिसिपल चुनाव में नई रणनीति के साथ उतरने को लेकर हलचल है। जिन वार्ड में भाजपा के चुने जाने का 100 फीसदी भरोसा है, वहां युवा और वफादार उम्मीदवारों को मौका दिया जाएगा। बाहर से आए उम्मीदवारों नहीं थोपे जाएंगे। ऐसे वार्ड जहां जीत का भरोसा तो है, लेकिन पक्का नहीं है, वहां दूसरी पार्टियों के लोगों या बड़ी सामाजिक प्रतिष्ठा वाले लोगों पर विचार किया जाएगा। गठबंधन का मुद्दा अभी खत्म नहीं हुआ है, इसलिए अगर किसी सहयोगी का नेता आपके खिलाफ बोलता है, तो आपको रिएक्ट न करने का निर्देश दिया जा सकता है। अगर इस प्लान पर अमल हुआ तो इन क्षेत्रों में कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी और एनसीपी-एस के महाविकास अघाड़ी को चुनाव में संकट का सामना कर पड़ सकता है।

### शिवसेना से होगा मुंबई का मेयर : एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुंबई में महापौर चुनाव को लेकर एक्टिव हो गए हैं। मुंबई मेयर चुनाव ऐतिहासिक रूप से शिवसेना की राजनीतिक पहचान का केंद्र रहा है। क्योंकि, विभाजित शिवसेना ने 25 वर्षों तक मुंबई महापौर पद पर अपना दबदबा बनाए रखा था। बीएमसी चुनावों से पहले ठाकरे भाइयों के राजनीतिक पुनर्मिलन ने हिंदुत्व बनाम मराठी प्राथमिकता की जंग छेड़ दी है। दरअसल, अजेय महाराष्ट्र सम्मेलन के दौरान जब पूछा गया कि क्या शिवसेना इस पद को बरकरार रख पाएगी, तो शिंदे ने कोई दावा पेश नहीं किया। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि मुंबई के महापौर महायुति से ही होंगे और वह भी दो बार। भाजपा ने मीरा-भयंदर और ठाणे में शिंदे की शिवसेना को महापौर पद संभालने देने की इच्छा जताई है, लेकिन मुंबई के मामले में कोई समझौता नहीं होगा।

## मुकाबले की संभावना बढ़ी

हालांकि, पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में, अजीत पवार के नेतृत्व वाली भाजपा और एनसीपी अलग-अलग चुनाव लड़ेंगी क्योंकि इन नगर निगम क्षेत्रों में दोनों पार्टियों की स्थिति लगभग समान है। नेताओं का मानना है कि अलग-अलग चुनाव लड़ने से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा और विद्रोह का खतरा कम होगा। नवी मुंबई नगर निगम के संबंध में, गठबंधन ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। महायुति इस बात पर सहमत है कि जहां तक संभव हो, आगामी नगर निगम चुनाव गठबंधन व्यवस्था के माध्यम से लड़े जाएं। जहां यह संभव नहीं है, वहां गठबंधन के तीनों सहयोगी दल सौहार्दपूर्ण मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं।

## मुकाबला भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे और ठाकरे परिवार के मराठी प्रथम में

मुंबई महापौर चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे और ठाकरे परिवार के मराठी प्रथम के सिद्धांत के बीच होने की संभावना है। शिंदे को शहर में शिवसेना के पारंपरिक वर्चस्व को कायम रखने के बजाय भाजपा के सहायक की भूमिका निभाते हुए देखा जा रहा है। वहीं, जब एकनाथ शिंदे से ठाकरे परिवार के पुनर्मिलन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि भी सभी दलों को

गठबंधन बनाने का अधिकार है। हमारा एजेंडा स्पष्ट है - विकास और कल्याणकारी योजनाएं। इस दौरान उन्होंने अपनी वैचारिक विरासत पर जोर देते हुए कहा, हम बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा का अनुसरण कर रहे हैं। मुंबई महानगर क्षेत्र में महापौर चुनाव को लेकर शिंदे की शिवसेना और भाजपा के बीच तनाव पनप रहा है। शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं ने अनियंत्रित खरीद-फरोख्त को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से तीखी बहस की है।

## शिवसेना व यूबीटी गुट में भीषण लड़ाई

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि शिवसेना ने महालक्ष्मी से लेकर दादर, वडाला, अंधेरी और पूर्वी उपनगरों तक के क्षेत्रों में वर्षों से अपना दबदबा बनाए रखा है। हालांकि 2022 में पार्टी दो गुटों में बंट गई थी, लेकिन दोनों गुट बीएमसी में अपनी ताकत दिखाने के लिए आक्रामक रूप से तैयारी कर रहे हैं। भाजपा मुंबई नगर निगम चुनावों में 135 से 140 सीटों पर चुनाव लड़ने का लक्ष्य बना रही है। 2017 के नगर निगम चुनावों में, 227 सीटों में से शिवसेना ने 84 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा को 82 सीटें मिली थीं। दोनों पार्टियों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। सूत्रों के अनुसार, महायुति ने आगामी नगर निगम चुनावों में सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला लगभग तय कर लिया है। मुंबई, ठाणे, नासिक और कल्याण डोंबिवली में भाजपा और शिवसेना के गठबंधन में चुनाव लड़ने की संभावना है।

### 2029 तक बरकरार रहेगा गठबंधन

इधर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा के आत्मविश्वास किया है। उन्होंने गठबंधन को आगे ले जाने की अपनी इच्छा की पुष्टि भी की थी। उन्होंने कहा था कि हम भाजपा को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन गठबंधन 2029 तक बरकरार रहेगा। हम भाजपा को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन गठबंधन 2029 तक बरकरार रहेगा।

## बैठकों का दौर तेज

नागपुर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण और चंद्रशेखर बावनकुले के बीच एक बैठक हुई। बैठक के बाद, बावनकुले ने मीडिया को बताया कि शिवसेना ने 90 से 100 सीटों की मांग की है, लेकिन तकनीकी विवरणों की समीक्षा के बाद सीट बंटवारे पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और शिवसेना के चार-चार पदाधिकारियों और अन्य महायुति प्रतिनिधियों वाली एक समिति मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बैठक करेगी और वरिष्ठ नेता किसी भी मतभेद को सुलझाएंगे।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# आखिर कब सुधरेगी सरकारी लापरवाही

**गोवा नाइट क्लब में आग की त्रासदी और इसमें 25 जानें चली जाने की घटना ने एक बार फिर इस बहस को जन्म दिया है कि देश में नियम-कायदों की अनदेखी क्यों होती रहती है? नाइट क्लब बैकवाटर क्षेत्र में चल रहा था, इसमें प्रवेश और निकास के द्वार अत्यंत संकरे थे, वेंटीलेशन बहुत खराब था और आग बुझाने के साधनों का सर्वथा अभाव था। जिस जगह बना था, वहां फायर ब्रिगेड का पहुंचना ही संभव न हो सका।**

*गोवा अनिकांड के आरोपी लूथरा ब्रदर्स को थाइलैंड से पकड़ लिया गया है। पर अफसोस इस बात है कि सरकारों की लापरवाही से एक तो इतना बड़ा कांड हो गया । साथ वो अपराधी देश से भाग गए और सरकार को पता भी नहीं चला। ऊपर से उन्होंने जमानत के लिए अर्जी भी डाल दी हालांकि कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया । अब उन दोनों के लिए भारत की ओर से प्रत्यपर्ण मांगा जाएगा तभी वो दोनों देश लाए जाएंगे। गोवा नाइट क्लब में आग की त्रासदी और इसमें 25 जानें चली जाने की घटना ने एक बार फिर इस बहस को जन्म दिया है कि देश में नियम-कायदों की अनदेखी क्यों होती रहती है? नाइट क्लब बैकवाटर क्षेत्र में चल रहा था, इसमें प्रवेश और निकास के द्वार अत्यंत संकरे थे, वेंटीलेशन बहुत खराब था और आग बुझाने के साधनों का सर्वथा अभाव था। जिस जगह बना था, वहां फायर ब्रिगेड का पहुंचना ही संभव न हो सका।*

*सवाल उठता है कि जब सुरक्षा और सुविधा की बुनियादी जरूरतें ही पूरी नहीं हो रही थीं, तो इसके संचालन की अनुमति कैसे प्रदान कर दी गई? साफ है कि अधिकारी इस घटना के दोषी हैं, लेकिन सरकार भी कम जिम्मेदार नहीं। ऐसा कैसे हो सकता है कि गोवा में कुछ गलत हो रहा है और उसे इसका पता ही न हो। गोवा देश का प्रमुख पर्यटन राज्य है। देश-विदेश से सबसे ज्यादा पर्यटक गोवा में ही आते हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी खुद-ब-खुद बढ़ जाती है। अभी तो एक नाइट क्लब में अव्यवस्था और अनदेखी सामने आई है। वहां तो ऐसे हजारों क्लब हैं। उनका क्या? केवल मजिस्ट्रियल जांच बिठाने और कुछ अधिकारियों पर गाज गिराने से सरकार की जिम्मेदारी पूरी नहीं होती। सरकार को इसके लिए पूरी ईमानदारी और जवाबदेही के साथ आगे आना होगा। राज्य में सभी क्लबों और होटलों का सुरक्षा और सुविधाओं के सभी पैमानों पर ऑडिट करते हुए स्थायी तौर पर पुख्ता व्यवस्था करनी होगी, ताकि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। भविष्य के लिए भी व्यवस्था करनी होगी कि मापदंडों को अच्छी तरह देखने-परखने के बाद ही अनुमति जारी हो। ऐसा सबक देश के अन्य राज्यों की सरकारों और जिलों के प्रशासन को भी लेना होगा। इसकी जरूरत इसलिए है कि आए दिन सामने आने वाले भीषण अग्निकांड और उनसे होने वाली जन-धन की हानि साफ बताती है कि न तो आग से बचाव उपायों की तरफ गंभीरता बरती जा रही है और न ही अग्निकांड के बाद राहत कार्यों में तत्परता की तरफ ज्यादा ध्यान दिया जा रहा। सुरक्षा उपायों का समुचित बंदोबस्त न होना तो ऐसी घटनाओं को बढ़ाता है।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# भारत-रूस योग और पश्चिम की वक्र दृष्टि

शिव कांत शर्मा

अमेरिका और नाटो रूस को यूक्रेन से खदेड़ने के लिए लगभग चार वर्षों से उसकी अर्थव्यस्था को घुटनों पर लाने के प्रयासों में जुटे हैं। उन्हें लगता था जैसे दूसरे विश्वयुद्ध ने ब्रिटेन को और अफगानिस्तान के युद्ध ने सोवियत संघ को दिवालिया बना दिया था वैसे ही यूक्रेन का युद्ध रूस की कमर तोड़ देगा। वास्तव में ऐसा हुआ नहीं। शुरू के दो सालों में आए मुद्रास्फीति के उछाल और रूबल और अर्थव्यवस्था की गिरावट को रक्षासामग्री के निर्माण और ऊर्जा के निर्यात ने संभाल लिया। फिर भी, पुतिन जानते हैं कि संकट केवल टला है गया नहीं है। युद्ध में लगभग 1500 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। मुद्रा स्फीति और ब्याज दरें आसमान छू रही हैं और कर्ज का पहाड़ खड़ा हो गया है। देश में निवेश, सामान और कामगारों की भयंकर तंगी है। चीन ने इस अवसर का लाभ उठाकर रूस में उसी तरह अपना कारोबार फैलाया है जैसे दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका ने यूरोप में फैलाया था और विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन बैठा था।

इसी अवसर का लाभ उठाने के लिए ट्रंप शांति समझौता कराने को बेचैन हैं। पुतिन की भारत यात्रा की सबसे बड़ी वजह यही थी। यूक्रेन युद्ध से विश्व के दो सबसे धनी और बड़े बाजारों और निवेशकों, अमेरिका और यूरोप को खो देने के बाद उनके पास चीन और भारत से बेहतर विकल्प नहीं हैं। रूस की तरह भारत और चीन भी ट्रंप के पल-पल बदलते, मनमाने टैरिफ फरमानों, आप्रवासन नीतियों और प्रतिबंधों से परेशान हैं। इसलिए पुतिन ने भारत में उन क्षेत्रों से जुड़े प्रस्ताव प्रमुखता से रखे जो ट्रंप की टैरिफ नीतियों और यूरोप के प्रतिबंधों के निशाने पर हैं। जैसे रक्षा सामग्री और तकनीक का क्षेत्र जहां अमेरिका और यूरोप शर्तें लगाते हैं और तकनीक का हस्तांतरण करने एवं संयुक्त निर्माण करने को तैयार नहीं होते। रूस ने वहां बिना शर्त हस्तांतरण और संयुक्त निर्माण की पेशकश की है। अमेरिका और यूरोप जहां एच1बी वीजा पर संख्या और समय की सीमाएं लादने और कुशल कामगरों की आवाजाही को रोकने में लगे हैं वहीं रूस ने कामगरों की निर्बाध आवाजाही की पेशकश की है क्योंकि उसे इस समय कामगरों की जरूरत है।

अमेरिका और यूरोप जहां तरह-तरह की शर्तें लगाकर मुक्त व्यापार समझौते को महीनों से लटकाए हुए हैं वहीं रूस ने अपने साथ-साथ अपने आर्थिक संघ के सदस्य देशों के साथ भी बिना शर्त मुक्त व्यापार समझौते का

प्रस्ताव रख दिया है। अमेरिका और यूरोप जहां भारत पर रूस से तेल और गैस न खरीदने का दबाव डाल रहे हैं वहीं रूस ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए तेल और गैस के साथ-साथ परमाणु ईंधन की भी निर्बाध आपूर्ति करने और छोटे परमाणु बिजलीघर बनाकर देने की पेशकश की है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अमेरिका और यूरोप भारत में पुतिन के स्वागत और व्यापार प्रस्तावों से नाराज होकर भारत को और परेशान करेंगे या फिर भारत का व्यापार रूस के हाथों में जाने से रोकने के लिए जल्दी व्यापार समझौते करेंगे? भारत के लिए रूस के व्यापार प्रस्ताव और उसका भरोसा आकर्षक जरूर हैं और रूस में व्यापार और आप्रवासन बढ़ाने की संभावनाएं भी व्यापक हैं। पर वे अमेरिका और यूरोप की नाराजगी से हो सकने वाले नुकसान की भरपाई के लिए काफी नहीं। भारत ने पिछले साल अमेरिका को 87 अरब और यूरोप को 77 अरब डॉलर का सामान बेचा था जो उसके कुल निर्यात के 40 प्रतिशत के बराबर है। रूस को अभी वह मात्र 5 अरब डॉलर का निर्यात करता है। पिछले दो साल में रूस से सस्ते दामों पर खरीदे तेल से होने वाली बचत भी 4 अरब डॉलर से अधिक की नहीं थी। इसलिए अमेरिका और यूरोप में होने वाली 164 अरब डॉलर की बिक्री को सुरक्षित रखना और उसे बढ़ाना भारत का पहला लक्ष्य होना चाहिए। परंतु भारत जैसा बड़ा देश किसी की धौंस या दबाव में कुछ नहीं कर सकता। जैसे रूस और चीन ट्रंप और यूरोप के प्रतिबंध, टैरिफ और आप्रवासन नीतियों की मार से टस से मस नहीं हुए वैसे ही भारत भी अपनी नीतियों पर अडिग रहा। ट्रंप ने सबसे पहले पुतिन की बड़ाई कर उन्हें फुसलाने की कोशिशें की। फिर धमकाने, धौंस जमाने और प्रतिबंध लगाने की कोशिशें कीं पर एक न चली।

यही हाल चीन के साथ हुआ और हार कर ट्रंप को ही झुककर सुलह करनी पड़ी। भारत में ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राजदूतों ने मिलकर पुतिन की यात्रा से पहले लिखे अपने लेख में उनकी आलोचना करते हुए यूक्रेन के हमले को अंतरराष्ट्रीय नियमों का घोर उल्लंघन बताया था। यदि वह उल्लंघन था तो फिर अमेरिका कौन से अंतरराष्ट्रीय नियम का पालन करते हुए करेबियाई सागर में वेनेजुएला की नौकाओं पर हमले कर रहा है?

# एआई के साथ इंसानी हकों को नयी दिशा

योगेश कुमार गोयल

दस दिसंबर, 1948 को संयुक्त राष्ट्र ने 'मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा' को अपनाया, जो यह सिद्धांत प्रस्तुत करती है कि मनुष्य केवल शारीरिक प्राणी नहीं, बल्कि विवेक, गरिमा, स्वतंत्रता और समानता से युक्त चेतन अस्तित्व है। इस घोषणा ने मानवता को उसके बुनियादी अधिकारों का अहसास दिलाया और साथ ही यह विश्वास जगाया कि मानव गरिमा सर्वोपरि है। इसने वैश्विक व्यवस्था को नैतिक दिशा दी और सभ्यता को मानवीय आधार प्रदान किया। आज दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के द्वार पर खड़ी है। यदि औद्योगिक क्रांति ने काम, उत्पादन और शक्ति-संतुलन को बदला था तो एआई उस परिवर्तन से भी आगे बढ़कर मानव मस्तिष्क के साथ मशीन की क्षमता का संगम प्रस्तुत कर रही है। यह युग केवल स्वचालन या कंप्यूटेशन का दौर नहीं है, यह मानव सभ्यता के लिए अपनी नियति के पुनर्लेखन का अवसर है।

तकनीक अब केवल उपकरण नहीं रही, वह विचार, निर्णय, ज्ञान और शासन के केंद्र में प्रवेश कर चुकी है। मानवाधिकारों के संदर्भ में एआई के आगमन ने एक महत्वपूर्ण विमर्श को जन्म दिया है। अब मानवाधिकारों की रक्षा केवल न्यायालयों, घोषणाओं, आंदोलनों और संविधानों की जिम्मेदारी नहीं रह गई, बल्कि यह डिजिटल व्यवहार, एल्गोरिद्मिक निर्णय और डेटा-चालित नीतियों की वास्तविक परीक्षा बन चुकी है। आश्चर्यजनक किंतु प्रेरक तथ्य यह है कि यदि एआई को नैतिकता, पारदर्शिता और मानवीय संवेदनाओं के साथ विकसित किया जाए तो यह मानवाधिकारों के इतिहास का स्वर्णकाल सिद्ध हो सकता है। न्याय व्यवस्था में इसका उपयोग केवल तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि मानव गरिमा की सुरक्षा का नया आयाम है। स्वास्थ्य जगत में एआई का योगदान मानवाधिकारों की प्रकृति को बदलने की क्षमता रखता है। दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता, रोगों की शीघ्र पहचान, व्यक्तिगत उपचार पद्धति और आपात स्थितियों में तेज निर्णय, ये सब केवल तकनीकी उपलब्धियां नहीं, बल्कि जीवन के अधिकार की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति हैं।

जब मशीनें रोग के पैटर्न पहचानकर डॉक्टरों को निर्णय लेने में सहायता करती हैं, तब मानव जीवन अधिक सुरक्षित, अधिक संरक्षित और अधिक सम्माननीय बनता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी एआई मानवाधिकारों की नई परिभाषा गढ़ रही है। शिक्षा अब एक-सा मॉडल नहीं रही, वह व्यक्तिगत बन रही है। प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता, रुचि और सीखने की गति के अनुसार ज्ञान-संरचना बन रही है। यह समानता का वह रूप है, जिसकी कल्पना समाज सुधारकों ने सदियों पहले की थी-ऐसी शिक्षा, जिसमें कोई पीछे न रह जाए। मनुष्य अब केवल सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहचान तक सीमित नहीं है, उसकी एक डिजिटल पहचान भी है। यह पहचान, यह डेटा अब उसकी प्रतिष्ठा, निजता और स्वतंत्रता का हिस्सा है। इसे सुरक्षित रखना, इसका दुरुपयोग रोकना और डेटा पर नियंत्रण का अधिकार देना अब आधुनिक मानवाधिकारों का अनिवार्य तत्व है।

यदि डिजिटल गरिमा सुरक्षित नहीं, तो संपूर्ण मानवीय गरिमा अधूरी है। एआई की शक्ति का दूसरा आयाम इसकी सीखने और निर्णय लेने की क्षमता है, परंतु निर्णय वहीं तक उचित हैं, जहां तक वे मानवीय मूल्यों से नियंत्रित रहें। इसलिए विश्वभर में 'नैतिक एआई' की अवधारणा उभर रही है। यह परिवर्तन इसलिए महत्वपूर्ण है कि तकनीक अब केवल कार्य-निष्पादन नहीं करती, वह निर्णय निर्मित करती है और निर्णय वे धुरी हैं, जिन पर मानवाधिकार टिका होता है। 'ह्यूमन इन द लूप' सिद्धांत इसी सच्चाई का प्रतिफल है, जहां अंतिम निर्णय मनुष्य लेगा, मशीन नहीं, क्योंकि बुद्धि मशीन में हो सकती है, पर विवेक केवल मनुष्य में है। आर्थिक अवसरों की दृष्टि से भी एआई ने मानवीय अधिकारों का आयाम विस्तृत किया है। यह सत्य है कि तकनीक कुछ पारंपरिक रोजगारों को अप्रासंगिक बना रही है, पर यह आधा सत्य है। एआई नए कौशल, नए रोजगार, नए व्यवसाय और नए बाजारों को भी जन्म दे रही है। मनुष्य अब ऐसे कार्य कर पा रहा है, जो रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और नवाचार पर आधारित हैं-ऐसे कार्य, जिनमें मशीनें कभी पूर्ण प्रतिस्थापन नहीं कर पाएंगी। कौशल-विकास अब केवल आर्थिक विकल्प नहीं, बल्कि मानवाधिकार की तरह आवश्यक हो गया है।

जब व्यक्ति तकनीक के साथ कदम मिलाकर चल सकेगा, तभी उसकी स्वतंत्रता सार्थक होगी। यह स्वतंत्रता ही तो मानवाधिकारों का मूल है। यही स्थिति शासन के क्षेत्र में भी दिखाई देती है। सरकारें अब नागरिकों की जरूरतें समझने, पूर्वानुमान करने व त्वरित समाधान देने में सक्षम हो रही हैं। एआई आधारित नीतियां, कल्याणकारी योजनाएं व पारदर्शी प्रशासन नागरिकों को न केवल सेवाएं दे रहे, बल्कि अधिकारों की सार्थकता भी यकीनी बना रहे हैं। बहरहाल, विश्व मानवाधिकार दिवस अब भविष्य की दिशा चुनने का अवसर है। यह युग मानव और मशीन की ऐसी साझेदारी का है, जिसका ध्येय शक्ति नहीं, संवेदना; प्रगति नहीं, सहअस्तित्व; और प्रभुत्व नहीं, गरिमा है। यदि एआई को मानवीय मूल्यों के अनुरूप विकसित किया गया, एल्गोरिद्म गरिमा के अधीन रहे, डेटा निजता का सम्मान करे और यदि नवाचार मानव को बड़े उद्देश्य की ओर ले जाए, तो आने वाली पीढ़ियां संभवत: इसी युग को मानवाधिकारों का स्वर्णकाल कहेंगी।

# भारत की ये शांत जगहें

## शरीर और आत्मा को कर देंगे खुश

अगर आप फिटनेस को जीवनशैली का हिस्सा मानते हैं और घूमने के भी शौकीन हैं, तो योग से प्रेरित यात्रा आपके लिए परफेक्ट है। भारत में कुछ ऐसी जगह हैं जहां आप योग व ध्यान कर सकते हैं। इन स्थानों पर योग और प्रकृति के संग आप पूरी तरह से रिचार्ज हो सकते हैं। अगर आप ऐसी जगहों का चयन करते हैं जहां का सफर आपको ध्यान और योग से जोड़ने वाला है तो कई लाभ मिल सकते हैं। जैसे, ऐसी यात्राएं मानसिक तनाव में कमी लाती हैं। इससे डिजिटल डिटॉक्स का मौका मिलता है। नींद, पाचन और इम्यून सिस्टम में सुधार होता है। खुद को जानने और समझने का समय मिल पाता है। जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव को महसूस किया जा सकता है।

### पंचगनी

महाराष्ट्र का खूबसूरत हिल स्टेशन पंचगनी अपनी प्राकृतिक सुंदरता और हरियाली के लिए ही प्रसिद्ध नहीं है, बल्कि योग के लिए भी जाना जाता है। यहां योग और प्राकृतिक थेरेपी के लिए मशहूर रिसॉर्ट्स हैं। मानसून में योग और आध्यात्म से जुड़ने के लिए पंचगनी जाना एक अच्छा फैसला हो सकता है।

### ऋषिकेश

उत्तराखंड के ऋषिकेश को योग की राजधानी माना जाता है। जब भी योग और यात्रा की बात होती है तो सबसे पहले ऋषिकेश का नाम आता है। योग की नगरी ऋषिकेश में गंगा किनारे साधना, साइलेंस रिट्रीट और ध्यान का अनुभव लिया जा सकता है। ऋषिकेश का पिंक सैंड बीच एक खूबसूरत और शांत जगह है। यह गंगा नदी के किनारे स्थित है जहां की रेत हल्की गुलाबी नजर आती है, इसी वजह से इसे पिंक सैंड बीच कहा जाता है। यह स्थान प्रकृति प्रेमियों और शांति पसंद लोगों के लिए बेहद खास है। यहां गंगा की बहती धारा, सूरज की रोशनी और गुलाबी रेत मिलकर एक अद्भुत नजारा पेश करते हैं। योग, ध्यान और फोटोग्राफी के लिए यह जगह परफेक्ट मानी जाती है, शहर की भागदौड़ से दूर यह बीच सुकून और सादगी से भरा अनुभव देता है।

### केरल

केरल को आयुर्वेद और योग की भूमि कहा जाता है। यहां बैकवाटर्स में योग का आनंद लेने के साथ ही आयुर्वेदिक मसाज का अनभव भी ले सकते हैं। यह स्थान शरीर और आत्मा दोनों को सुकून देने के लिए परफेक्ट है। यदि आपने कभी केरल के बैकवाटर में हाउसबोड की सैर का आनंद नहीं लिया हैं, तो यह आनंद एक बार ज़रूर लें। आज के हाउसबोट बड़े, धीमे चलने वाले विशेष नाव होते हैं, जो वास्तव में पुराने ज़माने के केट्टुवल्लम का ही नया रूप है।

### धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश का खूबसूरत हिल स्टेशन धर्मशाला सिर्फ घूमने के लिए ही नहीं, बल्कि पहाड़ों की गोद में योग और ध्यान के लिए भी बेहतरीन स्थल है। यहां मोनास्ट्री विजिट्स का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है। धर्मशाला तो एक नाम है यहां कई छोटे बड़े पर्यटन स्थल हैं तो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। धर्मशाला आज विश्व पर्यटन मानचित्र पर अपना नाम बना चुका है। धर्मशाला के साथ लगती पहाड़ी पर मैक्लोडगंज, धर्मकोट, भागसूनाग व डलझील हैं। यह स्थल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे हैं।

## हंसना मना है

एक यात्री ने स्टेशन मास्टर से पूछा- क्या मैं यहां एक सिगरेट पी सकता हूं? स्टेशन मास्टर बोला- नहीं यहां सिगरेट पीना सख्त मना है। यात्री- फिर यहां इतने सिगरेट के टुकड़े कैसे पड़े हैं? स्टेशन मास्टर- ये उन लोगों ने फेंके हैं जो पूछते नहीं है।

एक मुर्गा मालिक को खिड़की से बैठा देख रहा था। मालिक बहुत बीमार था, मालिक की पत्नी उसके बगल में बैठी थी। पत्नी बोली- आपको बहुत तेज बुखार है, मैं आपके लिए चिकन सूप बना लाती हूं। इतना सुनते ही मुर्गे के तोते उड़ गये, मुर्गा बोला- बहन जी। एक बार 'पेरासिटामोल' दे कर भी देख लो।

अगर किसी लड़की को उसकी मर्जी के खिलाफ आई लव यू बोलना गलत है तो किसी लड़के को उसकी मर्जी के खिलाफ भैया बोलना भी तो गलत है..

एक आदमी की एक टांग की हड्डी टूट गयी। वह इलाज के लिए हॉस्पिटल गया तो देखा कि वहां एक आदमी की दोनों टांगें टूटी हुई हैं। तो वो उसको देखकर बोला कि आपकी दो पत्नियां हैं क्या?

## कहानी — चतुर मुर्गा

एक घने जंगल में एक पेड़ पर मुर्गा रहा करता था। वह रोज सुबह सूरज निकलने से पहले उठ जाता था। उठने के बाद वह जंगल में दाना-पानी चुगने के लिए चला जाता था और शाम होने से पहले वापस लौट आता था। उसी जंगल में एक चालाक लोमड़ी भी रहती थी। वह रोज मुर्गे को देखती और सोचती, कितना बड़ा और बढ़िया मुर्गा है। अगर यह मेरे हाथ लग जाए, तो कितना स्वादिष्ट भोजन बन सकता है, लेकिन मुर्गा कभी भी उस लोमड़ी के हाथ नहीं आता था। एक दिन मुर्गे को पकड़ने के लिए लोमड़ी ने एक तरकीब निकाली। वह उस पेड़ के पास गई, जहां मुर्गा रहता था और कहने लगी, अरे ओ मुर्गे भाई! क्या तुम्हें खुशखबरी मिली? जंगल के राजा और हमारे बड़ों ने मिलकर सारे लड़ाई-झगड़े खत्म करने का फैसला किया है। आज से कोई जानवर किसी दूसरे जानवर को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। इसी बात पर आओ, नीचे आओ। हम गले लगकर एक दूसरे को बधाई दें। लोमड़ी की यह बात सुनकर मुर्गे ने मुस्कुराते हुए उसकी तरफ देखा और कहा, अरे वाह लोमड़ी बहन, ये तो बहुत अच्छी खबर है। पीछे देखो, शायद इसलिए हमसे मिलने हमारे कुछ और दोस्त भी आ रहे हैं। लोमड़ी ने हैरान हो कर पूछा, दोस्त? कौन दोस्त? मुर्गे ने कहा, अरे वो शिकारी कुत्ते, वो भी अब हमारे दोस्त हैं न? कुत्तों का नाम सुनते ही, लोमड़ी ने न आव देखा न ताव और उनके आने की उल्टी दिशा में दौड़ पड़ी। मुर्गे ने हंसते हुए लोमड़ी से कहा, अरे-अरे लोमड़ी बहन, कहां भाग रही हो? अब तो हम सब दोस्त हैं न? हां-हां दोस्त तो हैं, लेकिन शायद शिकारी कुत्तों को अभी तक यह खबर नहीं मिली है, यह कहते हुए लोमड़ी वहां से भाग निकली और मुर्गे की सूझबूझ की वजह से उसकी जान बच गई।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

**वृषभ**

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**मिथुन**

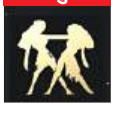

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

**कर्क**

कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

**सिंह**

कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

**कन्या**

धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

**तुला**

कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। अज्ञात भय रहेगा।

**वृश्चिक**

आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

**धनु**

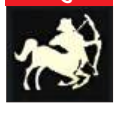

भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

**मकर**

आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दुःखद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

**कुम्भ**

पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। चोट व रोग से बचें।

**मीन**

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

# 'महाकाली' से अक्षय खन्ना का पोस्टर सामने आते ही इंटरनेट पर मचा तहलका

बॉलीवुड | गपशप

धुरंधर रिलीज के बाद अक्षय खन्ना लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म में उनके निभाए किरदार रहमान डकैत की दर्शक और क्रिटिक्स दोनों ही जमकर तारीफ कर रहे हैं। हर तरफ सिर्फ अक्षय के दमदार परफॉर्मेंस की चर्चा हो रही है। तभी इसी बीच प्रशांत वर्मा की सुपरहीरो फिल्म 'महाकाली' से अक्षय खन्ना का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया। पोस्टर सामने आते ही इंटरनेट पर तहलका मच गया है। 'महाकाली' का नए पोस्टर में अक्षय खन्ना का लुक सबको चौंका दिया।

प्रशांत वर्मा ने शक्राचार्य बने अक्षय खन्ना का लुक शेयर करते हुए लिखा, देवताओं की छाया में, विद्रोह की सबसे चमकदार लौ उठी। पेश है रहस्यमयी अक्षय खन्ना, शाश्वत 'असुरगुरु शुक्राचार्य' के रूप में।

पोस्टर में अक्षय एक पत्थर के किले के सामने खड़े हैं। उन्होंने लंबा काला चोगा पहन रखा है और उनकी एक आंख चांदी की तरह चमक रही है जो इस लुक को और भी डार्क और पॉवरफुल बनाती है।

पोस्टर में अक्षय एक बिल्कुल अलग अवतार में दिख रहे हैं। भारी मेकअप के साथ उन्हें एक ऋषि जैसा रूप दिया गया है। लंबी दाढ़ी, लहराते बाल और ऋषि जैसी रहस्यमयी झलक उनके लुक को और भी प्रभावशाली बना रहे हैं। उन्हें देख कर पहचानना मुश्किल हो रहा है।

'महाकाली' का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं। वह इस फिल्म से डायरेक्टोरियल डेब्यू कर रही हैं। आरकेडी स्टूडियोज द्वारा प्रोड्यूस की जा रही इस फिल्म में प्रशांत वर्मा क्रिएटर और को-राइटर हैं। फिल्म फिलहाल प्रोडक्शन में है। म्यूजिक स्मरण साई और सिनेमैटोग्राफी सुरेश रागुतु द्वारा की जा रही है। बाकी कास्ट का खुलासा अभी नहीं किया गया है। यह फिल्म कब आएगी इसके बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है।

# ऋतिक को धुरंधर 2 का है इंतजार, एक्टर ने पूरी टीम की तारीफ की

ऋतिक रोशन ने एक बार फिर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म धुरंधर की तारीफ की है। इसके साथ ही उन्होंने धुरंधर 2 को लेकर भी अपनी बेताबी जाहिर की है। वैसे इससे पहले बुधवार को ऋतिक ने धुरंधर का रिव्यू दिया था।

ऋतिक रोशन ने गुरुवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म धुरंधर का एक पोस्टर शेयर किया है। फिल्म की तारीफ करते हुए ऋतिक ने लिखा, धुरंधर अब भी मेरे दिमाग से नहीं निकल रही। मैं धुरंधर 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

ऋतिक ने फिल्म के निर्देशक की तारीफ में लिखा, आदित्य धर, आप कमाल के डायरेक्टर हैं। फिल्म के मुख्य अभिनेता रणवीर सिंह के लिए

लिखा, रणवीर, आपका शांत से गुस्से तक का सफर... क्या शानदार और लगातार परफॉर्मेंस। अक्षय खन्ना के लिए ऋतिक ने लिखा, अक्षय हमेशा से मेरे फेवरेट रहे हैं, इस फिल्म ने फिर साबित कर दिया।

फिल्म की पूरी टीम की तारीफ की ऋतिक ने आर माधवन के अभिनय की तारीफ करते हुए लिखा, आर माधवन, आपने ताकत और शान के साथ कमाल का अभिनय किया है। ऋतिक ने राकेश बेदी के बारे में लिखा, भाई, आपने जो किया वो अल्टीमेट है... शानदार। इसके साथ ही ऋतिक ने फिल्म की पूरी कास्ट, खासकर मेकअप और प्रोस्थेटिक्स टीम को ढेर सारी बधाई दी।

आर माधवन ने ऋतिक का शुक्रिया अदा करते हुए एक्स पर लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद भाई। मुझे बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। ऋतिक रोशन आखिरी बार वॉर 2 में नजर आए थे। वहीं अब वह कृष 4 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस बार ऋतिक कृष फ्रैंचाइजी की चौथी किस्त का निर्देशन भी करेंगे।

बॉलीवुड | नाराजगी

# तीन महीने की बेटी को खोने का मुझे आज भी दर्द है : सुनीता

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने अपने जीवन के उथल-पुथल भरे दौर के बारे में कई बातें बताईं। सुनीता ने अपनी तीन महीने की बेटी की हालत के बारे में जिक्र किया और साथ ही बताया कि उन्होंने किस वजह से उसे खो दिया। गोविंदा की पत्नी सुनीता ने उषा काकड़े के यूट्यूब चैनल पर दिए एक इंटरव्यू में अपनी तीन महीने की बेटी को खोने के दर्द के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी ने उनकी गोद में आखिरी सांस ली थी। उन्होंने बताया कि यह हादसा उनकी दूसरी बेटी के जन्म से पहले हुआ था। सुनीता ने भावुक होते हुए कहा, मेरी दूसरी बेटी आठ महीने में पैदा हुई थी। उसके फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं हो पाए थे। एक रात अचानक उसे सांस लेने में तकलीफ हुई और मेरी गोद में ही उसने आखिरी सांस ली। यह मेरे जीवन का सबसे मुश्किल दौर था। आज मेरे पास दो बेटियां और एक बेटा हो सकता था। सुनीता ने यह भी बताया कि उस समय वे गोविंदा के साथ बहुत यात्रा कर रही थीं। सिंगापुर से चॉकलेट से भारी बैग उठाने की वजह से उनके पेट की पानी की थैली फट गई, जिसकी वजह से बच्ची समय से पहले पैदा हो गई। सुनीता और गोविंदा की शादी 1987 में हुई थी। गोविंदा के स्टार बनने से पहले उन्होंने अपनी शादी को गुप्त रखा। उन्होंने बेटी टीना के जन्म के बाद शादी का खुलासा किया। आज उनके दो बच्चे हैं- बेटी टीना आहूजा (बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी हैं) और बेटा यशवर्धन आहूजा।

# क्या आपको मालूम है 300 साल पहले कैसे जमाई जाती थी बर्फ ? तरीका जानकर उड़ जायेंगे होश

तकनीक ने लोगों की लाइफ काफी आसान कर दी है। आज आपको बर्फ चाहिए तो फिज का दरवाजा खोलो, आइस-ट्रे निकालो और बर्फ आपके सामने है। लेकिन 300 साल पहले, जब ना बिजली थी, ना फिज, ना कोई मशीन, तब भी उत्तर भारत के लोग टनों बर्फ बनाते थे, वो भी खुले आसमान के नीचे! ये कोई जादू नहीं था, ये था शुद्ध भारतीय विज्ञान। साल 1775 में इलाहाबाद में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का अफसर रॉबर्ट बार्कर रात में टहल रहा था। उसने देखा कि शहर के बाहर सैकड़ों मजदूर काम कर रहे थे। खेतों में सैकड़ों छोटे-छोटे गोल गड्ढे खोदे गए थे। हर गड्ढा 2-3 फीट चौड़ा और सिर्फ 8-10 इंच गहरा था। हर गड्ढे में 2-3 इंच पानी डाला गया था। इसके चारों तरफ सूखे पुआल की मोटी दीवार बनाई गई थी। पहले तो अफसर समझ नहीं पाया। लेकिन अगली सुबह उसने जो देखा, उसने उसके होश उड़ा दिए। अफसर ने पहली बार बर्फ की परत देखी। आखिर कैसे भारतीयों ने किया था ये चमत्कार। अफसर ने भारत में बर्फ जमाने की जो तकनीक देखी थी, उसका जिक्र उसने अपनी डायरी में किया। 1775 में वो रिपोर्ट छपी जिसमें दुनिया में पहली बार रेडिएटिव कूलिंग का लिखित प्रमाण मिला। अब सवाल ये था कि आखिर ये बर्फ कैसे जमती थी? इसका तरीका बेहद सरल और गजब का था। बर्फ जमाने के लिए सिर्फ साफ, बादल-रहित सर्द रातें चाहिए थी और साथ में चाहिए था पुआल। बिना फ्रिज के बर्फ जमाने के लिए सारी रात में उथले मिट्टी के बर्तन या गड्ढों में बहुत कम पानी रखा जाता था। चारों तरफ सूखा पुआल बिछाया जाता था। ये इंसुलेशन का काम करता था, जमीन की गर्मी पानी तक नहीं आने देता था। रात में पृथ्वी अपनी गर्मी इन्फ्रारेड किरणों के रूप में अंतरिक्ष में फेंकती है। जब पानी खुले आसमान में रखा जाता था, तो उसकी सारी गर्मी तेजी से ऊपर निकल जाती थी। पुआल जमीन की गर्मी रोकता है। इसका नतीजा होता था पानी का तापमान हवा से 15-20 डिग्री नीचे चला जाता था और बर्फ बन जाती थी।

अजब-गजब | ना हनी ना मून, फिर क्यों कहलाता है हनीमून?

# बेहद ही पुराना और डरावना है हनीमून का इतिहास उत्तरी यूरोप के जनजातीय समाज से है इसका नाता

हनीमून एक कपल के लिए बेहतरीन फेज होता है। इस दौरान कपल एक-दूसरे को अच्छी तरह से समझने की कोशिश करता है। घरवालों से दूर और किसी तरह की रिस्पॉन्सिब्लिटी से दूर, कपल एक साथ समय बिताता है। लेकिन क्या आपने कभी ये सोचा है कि जब इस दौरान ना तो शहद का इस्तेमाल करने की रस्म है और ना ही इसका चांद से कोई कनेक्शन है, फिर क्यों इस फेज को हनीमून कहा जाता है?

शादियों का सीजन चल रहा है। हर तरफ बैंड-बाजा और बारातियों की चमक-धमक नजर आ रही है। शादी के कुछ दिन बाद नया-नवेला जोड़ा किसी हिल स्टेशन, गोवा या मालदीव की फ्लाइट पकड़ लेता है और चला जाता है हनीमून मनाने। लेकिन एक सवाल तो बनता है हनीमून में हनी (शहद) कहां है? चांद (मून) तो दूर, रात में भी ज्यादातर कपल होटल की लाइट्स बंद करके सो जाते हैं। फिर भी दुनिया भर में इसे हनीमून ही क्यों कहा जाता है?

इसका जवाब बेहद पुराना और थोड़ा डरावना भी है। 5000 साल पहले उत्तरी यूरोप के जनजातीय इलाकों (जैसे जर्मनी, स्कैंडिनेविया) में एक क्रूर रिवाज था Bride

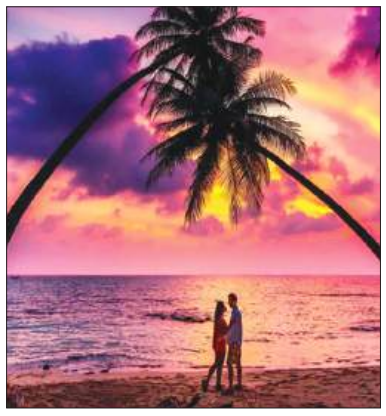

Kidnapping यानी दुल्हन को उठा ले जाना। अगर लड़के को लड़की पसंद आ जाती थी और लड़की के घरवाले राजी नहीं होते थे, तो लड़का अपने दोस्तों के साथ दुल्हन को जबरन उठा लेता था। फिर उसे जंगल के किसी गुप्त ठिकाने पर छिपाकर रखा जाता था। शादी की रस्म पूरी होने के बाद असली खेल शुरू होता था। दुल्हन को पूरे एक महीने तक बाहर नहीं निकलने दिया जाता था ताकि उसके घरवाले ढूंढ़ ना पाएं। और इस पूरे महीने में उसे हर रात एक खास ड्रिंक पिलाई जाती थी शहद से बनी हुई शराब (Honey Mead)। मान्यता थी कि शहद में प्रजनन शक्ति बढ़ाने के अफरोडिसिएक गुण होते हैं। जितना ज्यादा शहद मिलाकर शराब पिलाई जाएगी, उतनी जल्दी दुल्हन गर्भवती हो जाएगी और समाज में शादी को मान्यता मिल जाएगी।

ये एक महीना ठीक वही समय होता था जब एक पूर्णिमा से दूसरी पूर्णिमा तक का चक्र पूरा होता था यानी एक मून (चंद्र मास)। इसीलिए इस पूरे पीरियड को Honey Moon कहा जाने लगा शहद वाली शराब+एक पूरा चांद। धीरे-धीरे सभ्यता बढ़ी, दुल्हन उठाने का रिवाज बंद हुआ, लेकिन नाम वही का वही रह गया हनीमून! एक दूसरी थ्योरी बेबीलोनिया (आज का इराक) से भी आती है। वहां शादी के बाद दुल्हन के पिता पूरे एक चंद्र मास तक दामाद को शहद से बनी शराब मुफ्त में पिलाते थे ताकि दामाद खुश रहे और नई जोड़ी में मिठास बनी रहे। 16वीं सदी तक इंग्लैंड में भी नई शादीशुदा जोड़ियों को Honey Moon पीरियड में शहद वाली वाइन गिफ्ट की जाती थी।

# गौतम अडानी ने दिव्यांग बच्चों को दुलारा मदद को खोले हाथ

## स्कूल के दिव्यांग बच्चों से मिलकर की करोड़ों रुपए की मदद की घोषणा

**» यह पैसा दिव्यांगों की शिक्षा थैरेपी, व्यावसायिक प्रशिक्षण और नए अवसरों के सृजन में खर्च किया जाएगा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धनबाद। दिग्गज उद्योगपति व अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी को अपने बीच पाकर दिव्यांग बच्चें खुशी से झूम उठे। इस अमूल्य पल में अडानी ने बच्चों को दुलार व प्यार किया। अडानी समूह के अध्यक्ष आईआईटी (आइएसएम) के 100वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने के लिए धनबाद पहुंचे। आईआईटी (आइएसएम) से निकलने के बाद वह सीधे सरायढेला स्थित नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित पहला कदम स्कूल के दिव्यांग बच्चों से मिलने पहुंचे। उन्होंने स्कूल का दौरा किया।

इस दौरान दिव्यांग बच्चों से मुलाकात की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की। यह घोषणा पहला कदम स्कूल के लिए एक मील का पत्थर है और झारखंड में दिव्यांग बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं बढ़ाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। इस कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विशेषज्ञ, अभिभावक, समाजसेवी एवं अडानी समूह के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने इस ऐतिहासिक पहल की सराहना की। ओपको बता दें अडानी समूह समय-समय पर सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेता रहता है। इसी के तहत उसने महाकुंभ के दौरान बहुत बड़ा भंडारा लगाया था जिसमें लाखों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। अडानी फाउंडेशन इसमें सक्रिय रहता है।

### अडानी ने नई उड़ान कैफे का भी किया उद्घाटन

इस अवसर पर अडानी ने दिव्यांग बच्चों के लिए तैयार नई उड़ान कैफे का भी उद्घाटन किया। यह कैफे विभिन्न क्षमताओं वाले बच्चों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा. जिसमें कैफे संचालन, सर्विंग एवं ग्राहक सेवा, रसोई एवं खाद्य प्रबंधन, स्वच्छता एवं हाइजीन और व्यावहारिक कार्य अनुभव प्रदान करेगा। इस कैफे का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को स्वावलंबन, आत्मविश्वास और रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

### समाज के हर बच्चे को समान अवसर मिलना चाहिए: अडानी

इस दौरान पर अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा कि समाज के हर बच्चे को समान अवसर मिलना चाहिए। नई उड़ान कैफे जैसे प्रयास बच्चों को कौशल, आत्मसम्मान और सामाजिक पहचान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी स्कूल भ्रमण के दौरान बच्चों के साथ आत्मीयता से बातचीत की। साथ ही उनकी उम्मीदों और चुनौतियों को समझा और उनके विकास हेतु विशेषज्ञों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

**अडानी ग्रुप के चेयरमैन ने बच्चों से की बात**

### तीन वर्ष में देंगे तीन करोड़ रुपए

विद्यालय के भ्रमण के दौरान बच्चों की क्षमताओं और ट्रस्ट के कार्य को उन्होंने समझा। इसके बाद गौतम अडानी ने नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट के लिए 3 करोड़ रुपए की विशेष सहयोग देने की घोषणा की। यह रकम अगले 3 वर्षों तक प्रति वर्ष 1 करोड़ रुपए की राशि के रूप में प्रदान की जाएगी। यह पैसा दिव्यांग बच्चों की शिक्षा, थैरेपी, व्यावसायिक प्रशिक्षण और नए अवसरों के सृजन में खर्च किया जाएगा।

# भारत की रनों के लिहाज से टी20 में घर में सबसे बड़ी हार

**» दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज में हासिल की बराबरी तिलक ने बनाए 62 रन**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुल्लांपुर। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को दूसरे टी20 मैच में 51 रन से हराया। भारत की टी20 में रनों के लिहाज से घर में सबसे बड़ी हार है। इससे पहले टीम को इस प्रारूप में घरेलू जमीन पर दक्षिण अफ्रीका ने ही 2022 में 49 रनों से हराया था। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका ने डिकॉक के शानदार अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 213 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 19.1 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली।

दोनों टीमों के बीच सीरीज का तीसरा मुकाबला रविवार को धर्मशाला में खेला जाएगा। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव का बल्ला एक बार फिर खामोश रहा। गिल तो खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, सूर्यकुमार भी पांच रन बनाकर आउट हुए। भारत के लिए सिर्फ तिलक वर्मा ने अच्छी बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। तिलक आखिरी बल्लेबाज के तौर पर आउट हुए। भारत की ओर से तिलक वर्मा ने 34 गेंदों पर दो चौकों और पांच छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। वहीं, जितेश शर्मा ने 27, अक्षर पटेल ने 21, हार्दिक पांड्या ने 20 और अभिषेक शर्मा ने 17 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए ओटेनिल बार्टमैन ने चार विकेट झटके, जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को यानसेन और लुथो सिपाम्ला को दो-दो विकेट मिले।

### टी20 में एक ओवर में सर्वाधिक गेंद फेंकने वाले गेंदबाज बने अर्शदीप

मुल्लांपुर। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के दौरान एक अनचाहे क्लब में शामिल हो गए हैं। अर्शदीप टी20 अंतरराष्ट्रीय में पूर्णकालिक देशों में एक ओवर में सबसे ज्यादा गेंद फेंकने वाले संयुक्त रूप से पहले गेंदबाज बन गए हैं। अर्शदीप ने इस मामले में अफगानिस्तान के नवीन उल हक की बराबरी कर ली है। दक्षिण अफ्रीका की पारी का 11वां ओवर डालने आए अर्शदीप ने इस ओवर में सात वाइड फेंकी और कुल 18 रन लुटाए। और कुल 13 गेंदें डालीं। अर्शदीप से पहले अफगानिस्तान के नवीन उल हक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 2024 में खेले गए मैच में एक ओवर में 13 गेंद डाली थी।

# बंगाल यूपी नहीं है, यहां ऐसा नहीं होने दिया जाएगा

**» ममता का गीता पाठ कार्यक्रम में दो ठेलेवालों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में हाल ही में हुए गीता पाठ कार्यक्रम में दो ठेलेवालों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि राज्य में इस तरह की धमकियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह पश्चिम बंगाल है, उत्तर प्रदेश नहीं। उन्होंने ठेले बेचने वालों को पीटा, हमने कल रात सभी को गिरफ्तार कर लिया। धार्मिक ग्रंथों का राजनीतिक लामबंदी के लिए इस्तेमाल करने वालों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने आगे कहा कि मैं उन लोगों से पूछना चाहती हूं जो लगातार गीता, गीता जपते रहते हैं - श्री कृष्ण ने धर्म के बारे में क्या कहा था?

धर्म का अर्थ है पालन करना, विभाजन करना नहीं। वे बंगाल को नष्ट करना चाहते हैं। वे राज्य पर कब्जा करना चाहते हैं और लोगों को बंगाली बोलने से रोकना चाहते हैं। हम सभी गीता पढ़ते और सुनाते हैं। इसके लिए सभा आयोजित करने की क्या आवश्यकता है? ममता ने कहा कि वक्फ संपत्तियों को मौजूदा नियमों के तहत सख्ती से संरक्षित किया जाएगा और कोई भी उन्हें जबरन अधिग्रहित नहीं कर सकता है। बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए कई कल्याणकारी उपाय किए हैं, जिनमें 10,000 कब्रिस्तानों का निर्माण और ओबीसी आरक्षण लाभों का विस्तार शामिल है। उन्होंने कहा, हमने स्पष्ट रूप से कहा है कि वक्फ संपत्ति में नियमों का पालन होगा। अब मुतवल्ली (मस्जिद के न्यासी) इसका पालन करेंगे। हम किसी को भी वक्फ संपत्ति हासिल करने की अनुमति नहीं देंगे। बनर्जी ने भाजपा पर राज्य में सांप्रदायिक विभाजन की संस्कृति फैलाने का आरोप लगाया।

### टीएमसी सिर्फ वोटों के लिए मुसलमानों का इस्तेमाल कर रही : हुमायूं कबीर

निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कहा कि मुख्यमंत्री के बयान ने टीएमसी के दोहरे मापदंड को उजागर किया है। कबीर ने कहा, पहले उन्होंने कहा था कि वे वक्फ संशोधन अधिनियम लागू नहीं करेंगी, लेकिन फिर उनकी सरकार ने इसे स्वीकार कर लिया। और अब वे जनता को गुमराह करने के लिए फिर से भ्रामक बयान दे रही हैं। टीएमसी सिर्फ वोटों के लिए इस समुदाय का इस्तेमाल कर रही है।

# पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल का निधन

**» कांग्रेस पार्टी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लातूर। पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिवराज पाटिल का शुक्रवार सुबह महाराष्ट्र के लातूर में 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पाटिल ने सुबह करीब 6.30 बजे अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के कारण लंबे समय से बीमार चल रहे पाटिल का इलाज घर पर ही चल रहा था। कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है और उनके परिवार को अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

12 अक्टूबर, 1935 को जन्मे पाटिल ने 1980 से 2004 तक लगातार सात बार लातूर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 1980, 1984, 1989, 1991, 1996, 1998 और 1999 में लातूर सीट जीती।

# नगर निगम को एक बार फिर लायन ने बनाया गीदड़

**» जोन 2, 5 और 8 में सफाई व यूज़र चार्ज वसूली में करोड़ों का खेल उजागर**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम द्वारा जोन 2, 5 और 8 की सफाई व्यवस्था और यूज़र चार्ज वसूली का जिम्मा संभाल रही लायन कंपनी एक बार फिर विवादों में घिर गई है। कंपनी पर पहले भी सफाई व्यवस्था में लापरवाही के आरोप लगते रहे हैं, जिसके लिए लाखों रुपए का जुर्माना भी लगाया जा चुका है। लेकिन इस बार मामला केवल लापरवाही का नहीं, करोड़ों के घोटाले का बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार लायन कंपनी ने शहरवासियों से यूज़र चार्ज करोड़ों में वसूल लिया, लेकिन नगर निगम के खातों में जमा मात्र लाखों में कराया गया।

वसूली और जमा राशि के बीच भारी अंतर ने निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर यूजर चार्ज जब बिल काटा गया तो आखिर जमा क्यों नहीं कराया गया? इसके बावजूद नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी मौन हैं, जिससे भ्रष्टाचार की आशंकाएं और गहरी होती जा रही हैं।

### ढीली नीति पहले भी करा चुकी है नुकसान

नगर निगम की यही ढीली नीति पहले भी भारी नुकसान करा चुकी है। इको ग्रीन कंपनी का विवाद अभी भूला नहीं गया था कि अब लायन कंपनी भी उसी रास्ते पर चलते दिखाई दे रही है। शहर में स्वच्छता की हालत पहले से ही बिगड़ी हुई है और ऐसे घोटालों ने हालात और चिंताजनक बना दिए हैं। अब देखना यह होगा कि नगर निगम इस मामले में क्या कदम उठाता है और शहर को स्वच्छ सुंदर बनाने की दिशा में क्या कार्रवाई करता है। जो भी यूजर चार्ज में बिल में जो कटिंग हुई है उसको कल की मीटिंग में लायन कंपनी के द्वारा जितने बिल काटे गए है जिसमें से कुछ लोगों ने पैसा अभी जमा नहीं किया है जो भी पैसा आएगा वो नगर निगम के खाते में आएगा इसी को लेकर नगर आयुक्त सभी अपर नगर आयुक्त मौजूद थे।

# प्रदूषण को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने संसद में सरकार को घेरा

» राहुल गांधी ने संसद में कहा- मोदी जी चर्चा करिए हम साथ खड़े हैं

» कांग्रेस सांसद बोले- स्वास्थ्य आपातकाल है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्र वार को संसद में भारत में बिगड़ते वायु प्रदूषण पर तत्काल और व्यवस्थित बहस की मांग की है। इसे एक जन स्वास्थ्य आपातकाल बताते हुए कहा कि यह सभी दलों के लिए चिंता का विषय है। सरकार ने इस चर्चा के लिए तत्परता दिखाई।

शून्यकाल के दौरान बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत के सबसे बड़े शहर जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे अधिकांश प्रमुख शहर जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। बुजुर्गों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। यह एक दिलचस्प मुद्दा है क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि इस मुद्दे पर सरकार और हम सभी के बीच पूर्ण सहमति होगी।

## सभी दलों को साथ बैठना चाहिए

इसके अलावा, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि यह उन दुर्लभ मुद्दों में से एक है जिन पर सदन में पूर्ण सहमति बन सकती है। उन्होंने कहा कि यह कोई वैचारिक मुद्दा नहीं है और आगे कहा कि सरकार और विपक्ष दोनों की इस पर प्रतिक्रिया देने की जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकार से पूर्ण बहस की अनुमति देने और ठोस उपाय करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस पर दलगत राजनीति छोड़कर सभी पार्टियों को साथ बैठना चाहिए और अगले 5-10 साल के लिए एक ठोस प्लान बनाना चाहिए।

## सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है : किरेन रिजिजू

राहुल गांधी के सुझाव पर प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और लोकसभा की व्यापार सलाहकार समिति इसके लिए समय आवंटित कर सकती है। रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा उठाया गया मुद्दा व्यापार सलाहकार समिति के संज्ञान में भी लाया गया। सरकार ने पहले दिन से ही यह स्पष्ट कर दिया है कि वह विपक्ष के सुझावों को साथ लेकर सभी महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करने और समाधान निकालने के लिए तैयार है। हम देखेंगे कि इस चर्चा को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। हम वापस आएंगे और देखेंगे कि इस चर्चा को किस प्रकार व्यवस्थित किया जा सकता है। हम इस मामले को उठाने के लिए तैयार हैं।

# डीजीसीए ने लापरवाही पर चार इंस्पेक्टर किए सस्पेंड

» एयरपोर्ट पर अव्यवस्था को लेकर हाईकोर्ट सख्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस के ऑपरेशन से जुड़ी दिक्कतों के मामले में महानिदेशालय नागरिक उड्डयन (डीजीसीए) ने प्रारंभिक जांच में बड़ी कार्रवाई की है. जांच में कुछ इंस्पेक्टरों को दोषी पाए जाने के बाद डीजीसीए ने इंडिगो की निगरानी करने वाले अपने 4 फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टरों को नौकरी से हटा दिया है।

ये सभी इंस्पेक्टर इंडिगो की उड़ानों की सुरक्षा और संचालन की जांच से जुड़े थे। माना जा रहा है कि जांच और निगरानी में हुई लापरवाही की वजह से डीजीसीएको यह सख्त कदम उठाना पड़ा. जिन अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है, वे सभी कॉन्ट्रैक्ट पर डीजीसीए में काम कर रहे थे और इनकी जिम्मेदारी एयरलाइंस खासतौर पर इंडिगो के सुरक्षा एवं ऑपरेशनल ओवरसाइट की थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने इससे पहले फ्लाइट संचालन में रुकावट और एयरपोर्ट पर यात्रियों की दिक्कतों पर केंद्र और छतष्ट से सख्त सवाल पूछे. अदालत ने पूछा कि ऐसी अचानक स्थिति पैदा ही क्यों हुई और यात्रियों की मदद के लिए क्या कदम उठाए गए? कोर्ट ने यह भी जानना चाहा कि एयरपोर्ट पर फंसे यात्रियों को संभालने और उनकी परेशानी रोकने के लिए सरकार ने क्या इंतज़ाम किए.

हाईकोर्ट ने कहा कि यह मुद्दा सिर्फ़ यात्रियों की परेशानी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आर्थिक नुकसान और सिस्टम की नाकामी भी शामिल है. अदालत ने पूछा कि यात्रियों को मुआवजा देने के लिए क्या कार्रवाई की गई और एयरलाइन स्टाफ की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए?

# कफ सिरप कांड: ईडी ने छह शहरों में डाले छापे

» लखनऊ में सिपाही आलोक सिंह की कोठी सहित की 25 ठिकानों पर भी रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के कफ सिरप कांड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की टीमों ने शुक्र वार सुबह से ही सिंडिकेट के 25 ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी। ईडी की टीमों ने लखनऊ, वाराणसी, अहमदाबाद, जौनपुर, सहारनपुर और रांची के ठिकानों पर छापेमारी की है। वहीं, लखनऊ में आरोपी आलोक सिंह के ठिकानों पर भी छापा मारा। इसके पहले, कफ सिरप मामले में लखनऊ में कोडीन युक्त सिरप, टेबलेट, कैप्सूल और इंजेक्शन की कालाबाजारी के मामले में 11 अक्तूबर को गिरफ्तार हुए कृष्णानगर के स्नेहनगर निवासी दीपक मानवानी के दो साथियों सूरज मिश्र और प्रीतम सिंह को कृष्णानगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में आरोपियों का एक साथी आरुष सक्सेना अभी पकड़ा नहीं गया है।

पुलिस टीम उसकी तलाश में लगी है। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया कि 11 अक्तूबर को औषधि विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम ने स्नेहनगर निवासी दीपक मानवानी के मकान पर छापा डालते हुए भारी मात्रा में कोडीन युक्त सिरप, टेबलेट, कैप्सूल और इंजेक्शन बरामद किया था। आरोपी दीपक को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए कृष्णानगर थाने में रिपोर्ट भी दर्ज की थी। पूछताछ में दीपक ने खुलासा किया था कि वह उक्त दवा सूरज और प्रीतम से खरीदकर नशेड़ियों को बेचता था। आरोपी सूरज व प्रीतम को भी आरोपी बनाया गया था। पुलिस टीम दोनों की तलाश में लगी थीं। बृहस्पतिवार को कृष्णानगर पुलिस ने बैकुंठ धाम वीआईपी रोड से मड़ियांव फैजुल्लागंज निवासी सूरज मिश्र और महानगर के बादशाहनगर निवासी प्रीतम सिंह को गिरफ्तार किया। आरोपी सूरज मूल रूप से सीतापुर के अटरिया सदनपुर का रहने वाला है और उसकी न्यू मंगलम आयुर्वेदिक नाम से दवा की एजेंसी है। आरोपी प्रीतम मूल रूप से बहराइच के बाडी राजा का निवासी है। वह फैमिली रेस्टोरेंट पुरनिया में काम करता है।

# भुवनेश्वर के नाइट क्लब में लगी भीषण आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। गोवा अग्निकांड के बाद अब भुवनेश्वर के सत्य विहार इलाके में शुक्र वार (12 दिसंबर 2025) को नाइट क्लब में भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद इमारत से धुआं निकलता देखा गया। हालांकि, अभी तक ये पता नहीं चल पाया है कि आग कैसे लगी?

आग की तेज लपटों ने न सिर्फ नाइट क्लब को नुकसान पहुंचाया, बल्कि बगल में स्थित एक फर्नीचर की दुकान भी इसमें घिर गई। लकड़ी और स्पॉन्ज जैसे सामान होने की वजह से आग ने दुकान को और भी तेजी से अपनी चपेट में लिया, जिससे नुकसान का पैमाना बड़ा हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगते ही हवा का रुख बदलने से धुआं पूरे बाजार क्षेत्र में फैल गया, जिसके कारण कई मिनटों तक दृश्यता बेहद कम हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड ने तेजी से मोर्चा संभाला और आग को अन्य दुकानों और रिहायशी हिस्सों में फैलने से रोकने की कोशिश में जुट गए। फिलहाल, राहत की बात यह है कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली है। यह घटना गोवा में बड़े नाइट क्लब में लगी आग के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी।

इस घटना के बाद ओडिशा अग्निशमन और आपातकालीन सेवा ने 100 से अधिक बैठने की क्षमता वाले सभी रेस्तरां और स्वतंत्र प्रतिष्ठानों का राज्यव्यापी ऑडिट करने का आदेश दिया था।

# इंटेलिजेंस चीफ प्रभाकर राव का सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सरेंडर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में चर्चित फोन टैपिंग मामले में अब एक नया मोड़ आ गया है। इस मामले के आरोपी तेलंगाना के पूर्व इंटेलिजेंस प्रमुख टी प्रभाकर राव ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हैदराबाद के जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में सरेंडर कर दिया।

राव ने सुबह 11 बजे जांच अधिकारी के सामने सरेंडर किया। बता दें कि ये पूरा मामला तब का है जब पिछली बीआरएस सरकार के दौरान स्पेशल इंटेलिजेंस ब्यूरो (एसआईबी) के कुछ अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने विभाग की शक्तियों का राजनीतिक इस्तेमाल किया। आरोप है कि वे कई नागरिकों, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों के लोग शामिल थे उनकी गुप्त निगरानी (सर्विलांस) कर रहे थे। ऐसे में मार्च 2024 से अब तक एसआईबी के एक निलंबित डीएसपी सहित चार पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

# आंध्र प्रदेश में बस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत, 22 अन्य घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में शुक्र वार को एक बस सड़क से फिसलकर नीचे गिर गई और पलट गई, जिससे कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चित्तूर से पड़ोसी राज्य तेलंगाना जा रही बस में चालक और सफाईकर्मी समेत 37 लोग सवार थे। इनमें से छह लोग सुरक्षित हैं।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित बरदार ने बताया कि दुर्घटना एक दुर्गा मंदिर के पास चिंतूर-मारेदुमिल्ली घाट सड़क पर सुबह करीब 4:30 बजे हुई। बरदार ने बताया, ''घाट रोड सड़क से बस के नीचे गिर जाने के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। बस पूरी तरह से घाटी में नहीं गिरी। बस पलट गई... और वहीं फंस गई। उन्होंने कहा कि घायलों में से चार की हालत गंभीर है। अधिकारी के अनुसार, संभवत: घने कोहरे के कारण बस चालक दुर्घटनास्थल पर स्थित मोड़ को नहीं देख पाया, जो मोथुगुडेम थाना क्षेत्र में पड़ता है। बरदार ने कहा कि बस यात्री चित्तूर से तेलंगाना के भद्राचलम में श्री राम मंदिर जा रहे थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।